किसी समय शिकागो में

बैनी गुडमैन की कहानी

बैनी गुडमैन के पिता की इच्छा थी कि एक गरीब यहूदी अप्रवासी होते हुए जिस प्रकार का जीवन उन्होंने बिताया था, उनके बच्चे उससे बेहतर जीवन जीयें. जब उन्होंने अपने बच्चों को संगीत वाद्य बजाने के लिए उत्साहित किया तब उन्हें इस बात का बिलकुल आभास नहीं था कि बड़े होकर उनका सबसे छोटा बेटा एक प्रसिद्ध जाज़ संगीतकार बनेगा. बैनी जब क्लैरिनेट बजाते थे तब वह संगीत में पूरी तरह खो जाते थे. और उनको सुनने के लिए संसार जैसे रुक सा जाता था. यह कहानी उस महान संगीतकार को एक काव्यात्मक श्रद्धांजलि है.

किसी समय शिकागो में

बैनी गुडमैन की कहानी

बेंजामिन डेविड 'बैनी' गुडमैन का जन्म इल्लिनोई, शिकागो में 30 मई 1909 को हुआ था. बीसवीं शताब्दी के चौथे दशक में उन्होंने एक ऐसा बैंड बनाया जिस में उस समय के सबसे योग्य श्वेत और अश्वेत संगीतकार सम्मिलित थे. गुडमैन पहले ऐसे प्रमुख संगीतकार थे जिन्होंने श्वेत और अश्वेत लोगों को एक बैंड में सम्मिलित किया था. उनके बैंड में कई प्रसिद्ध संगीतकार थे: पियानो बजाने के लिए अद्भुत टेडी विल्सन थे, लिओनेल हैम्पटन, जो वाइब्राफोन बजाने वाले पहले उत्कृष्ट संगीतकार थे, जीन क्रूपा जो ड्रम बजाते थे और यहूदी क्लेज़मर ट्रम्पेट बजाने वाले ज़िग्गी एल्मन.

नृत्य के लिए भी उन्होंने अपने जाज़ संगीत का सुंदर आयोजन किया था. यह एक अभूतपूर्व संगीत था और जो रेडियो द्वारा सारे अमेरिका में प्रसिद्ध हो गया. गुडमैन के साप्ताहिक रेडियो शो, 'आओ नृत्य करें', ने तो धूम मचा दी. जब 1937 में न्यू यॉर्क के पैरामाउंट थिएटर के भीतर ही लोग गुडमैन के संगीत पर नाचने लगे तो अमेरिका में नृत्य युग (स्विंग-एरा) का आगमन हो गया और बैनी गुडमैन को लोग नृत्य-संगीत का सम्राट बुलाने लगे.

अपने नृत्य संगीत के द्वारा गुडमैन ने जाज़ को आम लोगों तक पहुंचाया. 16 जनवरी 1937 के दिन कार्नेगी हाल में आयोजित संगीत के एक ऐतिहासिक प्रदर्शन में जाज़ संगीत को वह उस आयाम तक ले गये जो कल्पना से भी परे था.

गुडमैन ने अपने जीवन काल में सैंकड़ों संगीत एल्बम बनाए. 13 जून 1983 को दिल के दौरे के कारण उनका निधन हुआ. मृत्यु के कुछ समय पहले भी वह एक क्लैरिनेट बजा रहे थे.

एक समय की बात है, शिकागो के एक मुहल्ले में रूस से आये कई प्रवासी रहते थे. वह गरीब लेकिन उत्साही लोग थे.

मुहल्ले के रास्तों पर उन लोगों की भीड़ रहती थी जो विभिन्न वस्तुएं बेचते और ख़रीदते थे - जैसे कि बर्तन, कपड़े, फल सब्ज़ियाँ.

घोड़े और पुलिसकर्मी और अचार से भरे बड़े-बड़े पीपे भी उन रास्तों पर थे.

वहां के कई साइन बोर्ड यहूदी या रूसी भाषा में लिखे हुए थे. वहां के लोग यही भाषाएँ बोलते थे. इस कारण वह मोहल्ला विदेश जैसा लगता था.

शाम के समय घरों की सीढ़ियों और बरामदों में बैठ कर लोग देर तक बातें करते थे. उनका नया जीवन आसान नहीं था.

लेकिन एक वस्तु सदा से उनके पास थी. उनके पास संगीत था. सारंगी और अकॉर्डियन बजाने वाले अपने पुराने देश के गीत बजाते थे.
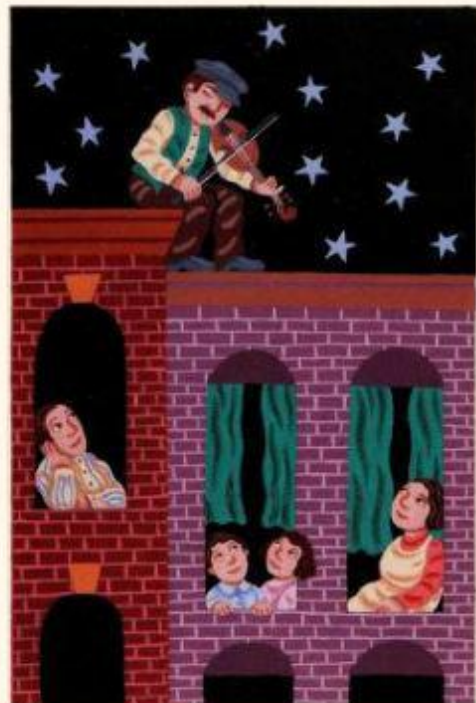
वह रास्ते के किनारे अपने वाद्यंत्र बजाते थे, छतों और सीढ़ियों पर बजाते थे.

इसी मोहल्ले में डेविड गुडमैन नाम के एक भले और मेहनती यहूदी भी रहते थे. अपनी पत्नी और परिवार की देखभाल करने के लिए वो खूब मेहनत करते थे.

और उनका परिवार भी खूब बड़ा था. उनकी पत्नी डोरा और उनके बारह बच्चे थे. वह एक छोटे से घर में रहते थे, जहां अँधेरा रहता था. उनका सामर्थ्य बस इतना ही था.
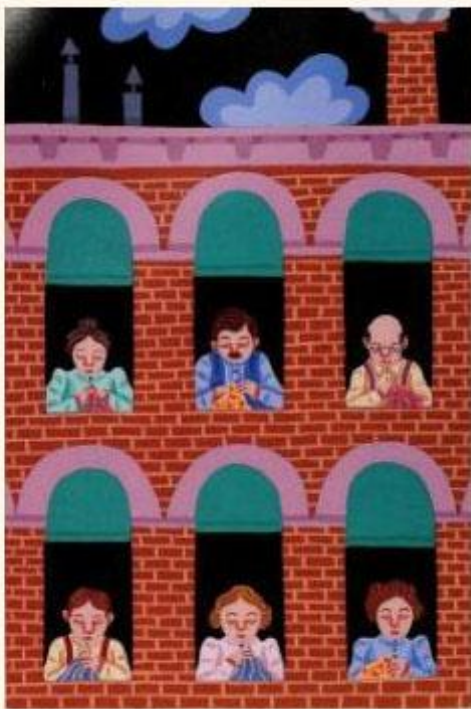
डेविड गुडमैन सारा दिन काम करते थे,
लेकिन वह थोड़े पैसे ही कमा पाते थे.
कभी-कभी वह किसी बड़ी फैक्टरी में दर्ज़ी
का काम करते थे.
लेकिन इतनी मेहनत करने पर भी वह
अपने बच्चों को ढंग के कपड़े न दिला पाते
थे.

डेविड की पत्नी, डोरा, हर समय बच्चों
के फटे-पुराने कपड़े ठीक करती रहती थी.

डेविड गुडमैन चाहते थे कि उनके बच्चे बेहतर ज़िन्दगी बितायें. इसलिए वह अपने तीन बेटों-हैरी, फ्रेडी और बैनी-को स्थानीय यहूदी उपासना घर में ले गये. वहां लड़कों का बैंड था जो संगीत बजाता था. शायद उनके बेटे कोई वाद्ययंत्र बजाना सीख जाएँ.

तीनों लड़कों को उनके कद के अनुसार वाद्ययंत्र दिए गये. हैरी को एक ट्युबा दिया गया. फ्रेडी को ट्रम्पेट मिला. और बैनी को मिला सबसे निराला यंत्र, एक क्लैरिनेट.
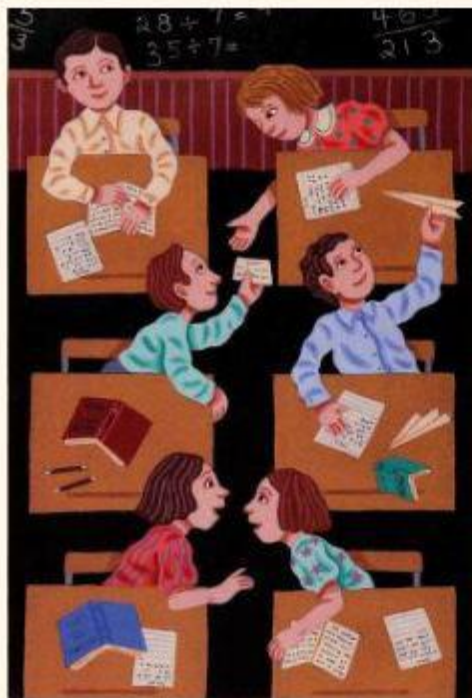
बैनी शांत स्वभाव के लड़के थे. वह अधिक बातें न करते थे. वह प्यार से खूब मुस्कराते थे. अपनी चौथी कक्षा में वह सबसे शर्मीले लड़के थे. लेकिन जब घर आकर वह अपनी क्लैरिनेट को डिब्बे से बाहर निकालते

तो प्रसन्नता से उनकी आँखें चमकने लगती थीं. क्लैरिनेट के डिब्बे के अंदर बैंगनी रंग का मखमली अस्तर लगा था. चाँदी की चाबियों वाली क्लैरिनेट काली और चमकदार थी.

वह एक लाजवाब वाद्ययंत्र थी!

बैनी को बातें करने के बजाय क्लैरिनेट बजाना अधिक पसंद था. कुछ समय के लिए तो उनका परिवार क्लैरिनेट से उन्हें दूर रख ही न पाया. अभ्यास करने के लिए उनके भाई-बहन उन्हें सीढ़ियों पर भेज देते.
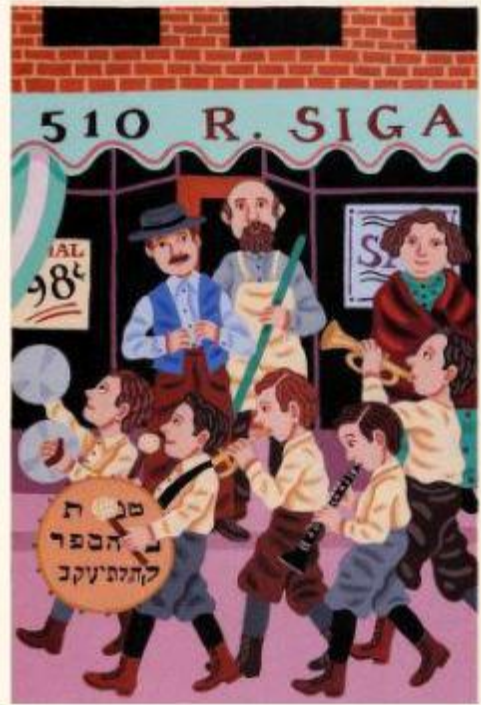
उनका निरंतर अभ्यास करना सफल हुआ. शीघ्र ही वह बैंड में भाग लेने लगे. बैनी के पिता, डेविड, बहुत प्रसन्न हुए. उन्हें लगा कि बैनी बड़े हो कर कुछ पैसे कमा पायेंगे और अच्छे से रह पायेंगे.

हालंकि इतना खर्च करना डेविड गुडमैन के लिए कठिन था, फिर भी उन्होंने बैनी को महान संगीतकार फ्रैंज शॉप के पास क्लैरिनेट सीखने के लिए भेजा. बैनी ने अभ्यास किया और अभ्यास किया और अभ्यास किया - तान, सुर लय-संगीत के हर आयाम का अभ्यास किया. फ्रैंज शॉप स्वयं एक पारम्परिक क्लैरिनेट वादक थे और बैनी को अपनी तरह का वादक बनाने के लिए प्रशिक्षण दे रहे थे.

लेकिन बैनी को नये प्रकार संगीत, जाज़, पसंद था. जाज़ लोकप्रिय और मनोरंजक था. जाज़ सुन कर लोगों का मन उठ कर नाचने को करता था. बैनी फोनोग्राफ पर अपने भाई के जाज़ संगीत के रिकॉर्ड सुना करते थे. रिकॉर्ड सुन कर क्लैरिनेट के हर धुन को वह याद कर लिया करते थे.

बैनी ने सुना कि शिकागो के सेंट्रल पार्क थिएटर में शौकिया कलाकार हर सप्ताह में एक रात अपनी कला का प्रदर्शन करते थे. बैनी भी अपनी क्लैरिनेट लेकर वहां गये.

वह जब मंच पर आये तो दर्शकों की भीड़ देख कर भी उन्हें कोई घबराहट न हुई. जो संगीत रचनाएं उन्होंने याद कर रखी थीं उन्हें बड़े विश्वास के साथ बैनी ने क्लैरिनेट पर बजाया.

उनका संगीत दर्शकों को बहुत अच्छा लगा.

एक सप्ताह के बाद उनके घर के फ़ोन की घंटी बजी. थिएटर के स्वामी ने फोन किया था. उसने कहा कि क्या उस रात बैनी किसी दूसरे कलाकार की जगह ले सकते थे.

बैनी तुरंत थिएटर पहुँच गये. एक घंटे में उन्होंने पाँच डॉलर कमा लिए थे. उनके पिता सारा दिन काम करने के बाद भी इतना न कमा पाते थे.
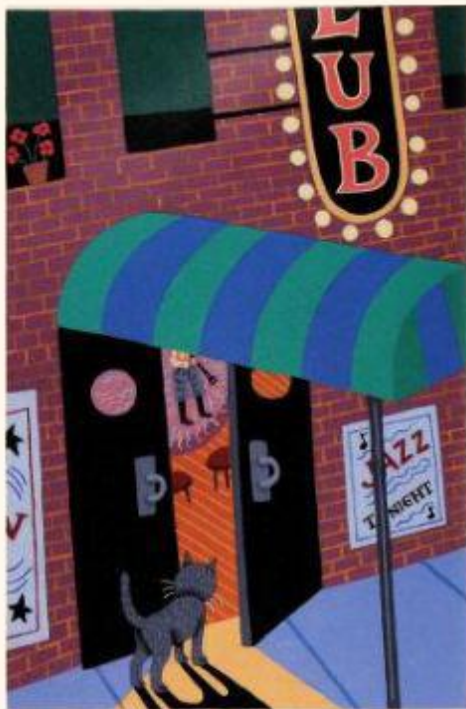
बैनी के विषय में लोगों को पता लगा. एक क्लब में जाज़ बैंड बजाया जाता था, उस क्लब ने बैनी को बुलाया. वह आये तो क्लब के बैंड लीडर ने उनसे पूछा की क्या वह कोई गूढ़ रचना बजा सकते थे. उन्होंने एक कठिन रचना बजाई ही नहीं - बिना रुके उस गीत को सोलह बार सोलह अलग-अलग तरीके से बजाया. और हर बार उनका संगीत बहुत ही मधुर था. हर कोई जानने को उतावला था:

यह लड़का कौन था?

उस दिन के बाद बैनी शिकागो के क्लबों में संगीत बजाने लगे. शीघ्र ही हर कोई 'वह अद्भुत लड़का जो क्लैरिनेट बजाता है' के बारे में बात करने लगा था. अभी वह सिर्फ चौदह वर्ष के थे और बड़े लोगों के साथ संगीत बजाते थे.

पर एक लड़के के लिए यह एक अनोखा जीवन था. हर रात, संगीत बजा कर बैनी सुबह-सवेरे घर लौटते थे, उनकी जेबें डॉलरों से भरी होती थीं.

बैनी सारे पैसे परिवार को दे देते थे, उन्होंने अपने पिता से कहा कि वह अख़बार बेचने जैसा कोई आसान काम करें.

लेकिन तभी एक दुर्घटना घटी. बैनी के पिता सड़क पार कर रहे थे कि एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी. उनकी मृत्यु हो गयी.
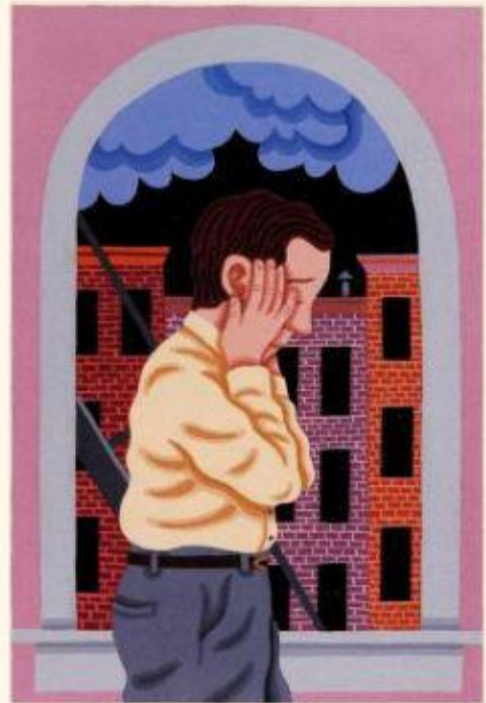
बैनी को विश्वास न हुआ. उन्हें समझ न आया कि वह क्या कहें या क्या करें. सारे संसार में पिता उनके सबसे प्रिय थे- और अब वह जा चुके थे. बैनी ने सोचा की काश उन्होंने अपने पिता का, उन्हें उत्साहित करने के लिये, धन्यवाद किया होता. लेकिन बैनी को बातें बनाना न आता था. जो कुछ उन्हें कहना होता था वह अपने संगीत द्वारा कहते थे.

इसलिए जब उसके भाई और बहनें
आंसू बहा रहा थे,

तब बैनी क्लैरिनेट बजा रहे थे.
और वह क्लैरिनेट बजाते रहे.
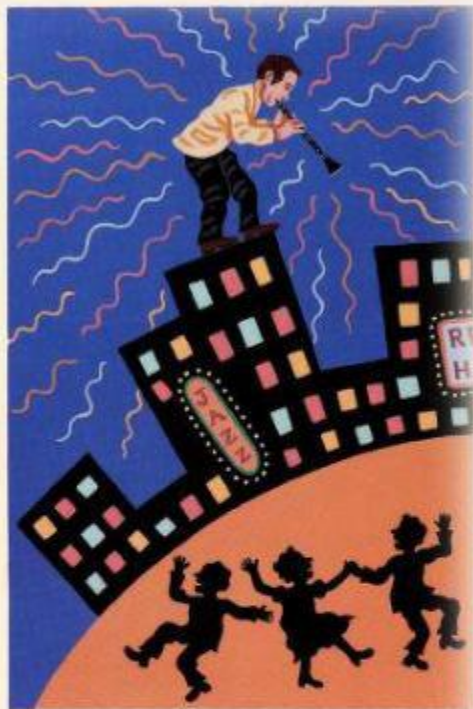
और बजाते रहे.
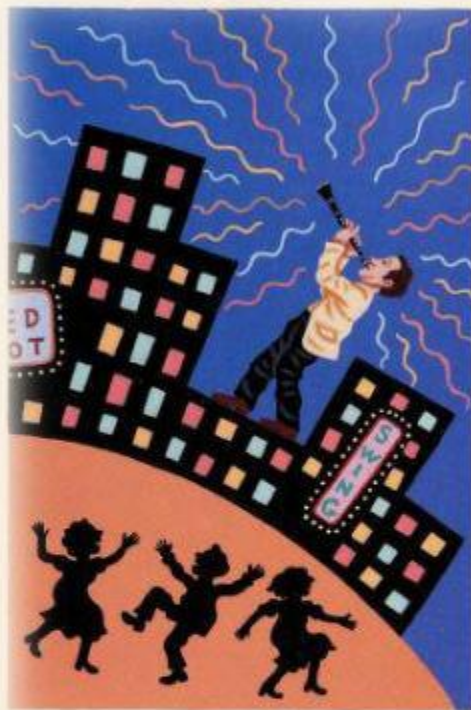
और बजाते रहे, जब तक कि
संसार में हर एक ने उनका मधुर
संगीत सुन नहीं लिया.

आप अभी भी उनका संगीत सुन सकते हैं. उनके रिकॉर्ड बजा कर, जिन में बैनी संगीत बजाते रहते हैं, बजाते रहते हैं, बजाते रहते हैं.

समाप्त